जेल की सलाखों के बीच बहनों ने बांधी राखी, भाइयों की आंखें हुई नम

- 1302 बंदियों ने जेल में मनाया राखी का त्योहार
- 5240 परिजन पहुंचे केंद्रीय जेल में बंद अपनों से मिलने

नव भारत न्यूज

इंदौर. रक्षाबंधन पर शुक्रवार को केंद्रीय जेल इंदौर में 1302 बंदियों के लिए भी त्योहार की खुशियां पहुंचीं. सुबह से जेल पहुंचे 5240 परिजनों के साथ 2413 बच्चे भी शामिल थे. बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाई. लंबे समय बाद परिवार से मिले कई बंदियों के लिए यह मुलाकात भावुक कर देने वाली रही.

केंद्रीय जेल के सभागार में सुबह से ही भाई बहनों की मुलाकात का सिलसिला शुरू हो गया था, बहनें राखी और मिठाई लेकर पहुंचीं. मुलाकात के दौरान परिवार के लोगों ने बंदियों का हालचाल जाना और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं. बच्चों में भी अपने पिता और परिवार के सदस्य से मिलने को लेकर उत्साह नजर आया. केंद्रीय जेल में 1302 बंदियों की उनके परिजनों से मुलाकात हुई. इनमें 1271 पुरुष और 27 महिलाएं शामिल हैं. चार बंदियों से भी परिवार के लोगों की मुलाकात कराई गई. महिला जेल में रह रही महिलाओं की उनके भाइयों से भी मुलाकात हुई. भाइयों ने बहनों से राखी बंधवाई और मिठाई खिलाकर त्योहार मनाया. केंद्रीय जेल के अलावा जिला जेल इंदौर में 565, धार में 165 और खंडवा में 306 बंदियों से उनके परिजन मिले. इसी तरह सरदारपुर में 21, देपालपुर में 41, सांवेर में 30, महू में 65 और बड़वाह में 37 बंदियों ने परिवार के साथ राखी का त्योहार मनाया.

जेल महानिदेशक ने जेल पहुंचकर लिया जायजा: रक्षाबंधन के इस आयोजन में जेल महानिदेशक वरुण कपूर भी केंद्रीय जेल पहुंचे. उन्होंने जेल में चल रही मुलाकात और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मीडिया से भी बातचीत की. जेल अधीक्षक दिनेश नरगावे ने नव भारत को बताया कि रक्षाबंधन पर बंदियों और उनके परिवारों की मुलाकात के लिए विशेष इंतजाम किए है. महिला बंदियों की भी उनके भाइयों से मुलाकात कराई, पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ.

दिखा भाई-बहन के रिश्ते का भावुक मिलन

इस दौरान केंद्रीय जेल में करीब 9-10 वर्षों से बंद गौतम से मिलने उनकी बहन और उनकी भांजी कावेरी हर वर्ष रक्षाबंधन पर आती हैं. गौतम की बहन ने बताया कि उन्हें साल में केवल एक बार ही अपने भाई से मिलने का मौका मिल पाता है. इस बार भी उन्होंने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी. भाई को राखी बांधते समय बहन और भांजी दोनों भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े. बहन ने अपने भाई से जल्द बाहर आने की बात कहते हुए भावुक होकर कहा कि वह जल्द घर लौटे.

वहीं जेल में करीब 10 वर्षों से बंद सचिन से मिलने उनकी बहन डिंपल, पत्नी प्रीति राठौर और बच्चे भी पहुंचे. परिवार के सदस्यों ने सचिन को राखी बांधी और काफी देर तक साथ बैठकर बातचीत की. लंबे समय बाद परिवार के साथ मिले सचिन के लिए भी यह मुलाकात भावुक पल रही.

अहिल्या उत्सव पूरे इंदौर का, सभी इसमें सम्मिलित हों

अहिल्याबाई की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारी के लिए बैठक संपन्न

इंदौर. अहिल्या उत्सव सबका है, पूरे इंदौर का है. सभी समाजों का है, सभी वर्गों का है. आपको भी अहिल्या माता के लिए कार्यकर्ता बनना है. 231वीं पुण्यतिथि पर 10 सितंबर को निकलने वाली परंपरागत पालकी यात्रा में सभी को सम्मिलित होना है.

यह बात पूर्व लोकसभा स्पीकर तथा अहिल्या उत्सव समिति के अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने अहिल्याबाई की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए अहिल्या सदन में बुलाई गई वृहद बैठक को संबोधित करते हुए कही. श्रीमती महाजन ने कहा कि देवी अहिल्याबाई की विरासत तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जीवित रखने के लिए सभी इंदौरवासियों को जुटना होगा. देवी अहिल्याबाई की स्मृति में वर्षभर कार्यक्रम हो हम इस तरह की योजना भी बना रहे हैं. बैठक को संबोधित करते हुए सांसद शंकर लालवानी ने 10 सितंबर को आयोजित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की. उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या से संबंधित झांकियां भी इस बार पालकी यात्रा में शामिल की जाएंगी. कांग्रेस नेत्री अर्चना जायसवाल ने कहा कि अहिल्या माता के लिए कुछ ना कुछ करने का हम सभी का दायित्व है. इस अवसर पर पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, सुधीर देडगे, एमआईसी सदस्य निरंजन चौहान, माला ठाकुर तथा प्रेम प्रकाश वर्मा ने भी संबोधित किया. संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक डागा ने 10 सितंबर को होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया. संस्था की मंत्री सरयू वाघमारे संस्था की संपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की. संचालन वीणा वर्मा ने किया. इस अवसर पर अनंत पवार, माला ठाकुर, मुद्रा शास्त्री, प्रशांत बडवे, कंचन गिद्वानी, रविंद्र सिंह गौड़, ज्योति तोमर, आश्विन शुक्ल, दिव्या गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में विभिन्न समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रोताओं के सवालों का वैज्ञानिक तरीके से किया समाधान

आकाशवाणी के 'हेलो डॉक्टर' कार्यक्रम में डॉ. एके द्विवेदी ने की चर्चा

इंदौर. ऑल इंडिया रेडियो इंदौर के विविध भारती एफएफ 101.6 एवं न्यूज़ ऑन एयर पर प्रसारित स्वास्थ्य कार्यक्रम 'हेलो डॉक्टर' में प्रोफेसर डॉ. ए.के. द्विवेदी ने श्रोताओं के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रश्नों का सरल, रोचक और वैज्ञानिक तरीके से समाधान सुझाया.

कार्यक्रम की प्रस्तुति मुकाम सिंह चौहान ने की. कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें मध्यप्रदेश के साथ-साथ छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से भी श्रोताओं ने फोन कर अपने स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न पूछे. श्रोताओं ने सर्दी-जुकाम, एलर्जी, खांसी एवं श्वसन रोग, डेंगू, चिकनगुनिया, जोड़ों के दर्द, स्पॉन्डिलाइटिस, एंकाइलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस, पैरों में दर्द एवं सूजन सहित अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े सवाल पूछे. इसके अलावा एनीमिया के विभिन्न प्रकार, पाइल्स, फिशर, फिस्टुला और त्वचा रोगों से संबंधित प्रश्न भी कार्यक्रम में पूछे गए. डॉ. द्विवेदी ने इन सवालों के जवाब देते हुए रोगों के संभावित कारणों, लक्षणों, आवश्यक सावधानियों और चिकित्सकीय जांच के महत्व को सरल भाषा में समझाया

कार्यक्रम के पश्चात डॉ. ए.के. द्विवेदी ने मुकाम सिंह चौहान को अपनी पुस्तक 'एनीमिया के लिए होम्योपैथी' भेंट की. मानसून के दौरान होने वाली मौसमी बीमारियों और संक्रमणों पर चर्चा करते हुए डॉ. द्विवेदी ने कहा कि बीमारी को लेकर अनावश्यक भयभीत होने के बजाय सावधानी बरतना, समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना और संक्रमण से बचाव के उपाय अपनाना जरूरी है. उन्होंने श्रोताओं को बिना चिकित्सकीय सलाह के स्वयं दवाओं का सेवन न करने तथा आवश्यकता होने पर समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की सलाह दी.

देशभक्ति, समाजसेवा और हास्य योग का संगम

इंदौर. श्रमिक क्षेत्र, मार्तण्ड नगर स्थित आदर्श हनी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिलिट्री से रिटायर्ड मेजर एवं समाजसेवी चंद्रा प्रकाश चंद रावत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. अपने उद्बोधन में उन्होंने बच्चों को बताया कि आजादी हमें सहज नहीं मिली है, इसके लिए अनेक राष्ट्रभक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दी है. उन्होंने स्कूल के बच्चों के लिए फर्नीचर देने की घोषणा की. विशेष अतिथि डॉ. पी.डी. गुप्ता ने ठंड के मौसम में बच्चों के लिए स्वेटर देने की घोषणा की. विशेष अतिथि समाजसेवी मदन परमालिया ने इंदौर की आन-बान-शान रहे कपड़ा मिलों की झांकियों के विषय में जानकारी दी. उन्होंने मदर टेरेसा की जयंती पर उनके द्वारा किए गए समाजसेवा कार्यों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लाफ्टर गुरु रमेश मौर्य एवं सुदिति राजपूत ने हास्य योग द्वारा बच्चों को आनंदित किया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की. कार्यक्रम में सुदिति राजपूत, मुन्नालाल यादव सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे. अतिथियों का स्वागत प्राचार्य सरोज चंदेल, वाइस प्रिंसिपल अर्चना सोनी, काजल गुप्ता, सपना चौहान, शालू मैडम एवं स्कूल प्रबंधक राजेंद्र चंदेल ने किया. संचालन स्कूल प्रबंधक राजेंद्र चंदेल सर ने किया. आभार वाइस प्रिंसिपल अर्चना सोनी ने माना।

राणीसती दादी की पालकी का दौ सौ परिवार करेंगे पूजन

इंदौर. अग्रोहा कपल ग्रुप एवं जय दादी दरबार की मेजबानी में भादवी अमावस्या के उपलक्ष्य में गुरुवार, 10 सितम्बर को सुबह 7 बजे से स्नेह नगर स्थित हनुमान मंदिर, वृंदावन गार्डन से अग्रवाल नगर स्थित राणी सती दादी के मंदिर तक निकलने वाली भव्य प्रभातफेरी की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु शहर के 45 प्रमुख महिला संगठनों की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. प्रभातफेरी का शहर के 200 से अधिक परिवारों में घर-घर स्वागत और पूजन की तैयारियां की जा रही हैं. टैगोर मार्ग स्थित होटल अप्सरा पर आयोजित बैठक में महिलाओं ने भादवी अमावस्या पर अपनी आराध्य दादी के इस उत्सव को धूमधाम से मनाने, प्रभातफेरी का न्यौता सभी क्षेत्रों में घर-घर देने और दादी के आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूरे जोश और उत्साह से शामिल होने का निर्णय लिया. बैठक में प्रमुख संयोजक संगीता-अरविंद बागड़ी, उषा-राजेश बंसल, निर्मला जिंदल, किरण तायल, ज्योति अग्रवाल, उषा-प्रहलाद दादा, पुष्पा गुप्ता, शीतल तोडीवाला, तृप्ति गोयल सहित 45 से अधिक महिला संगठनों की बहनों ने शामिल होकर अपने-अपने सुझाव दिए। संचालन नंदकिशोर कंदोई ने किया और आभार माना विनोद अग्रवाल जूनी इंदौर ने.

शिव आराधना अनुष्ठान की वेद मंत्रों के बीच पूर्णाहुति

इंदौर. कालानी नगर स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर हुजूरगंज में श्रावण मास से चल रहे शिव आराधना अनुष्ठान की श्रावण पूर्णिमा पर पूर्णाहुति हुई. एक महीने तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में महिलाओं ने मिट्टी से 7 लाख से ज्यादा पार्थिव शिवलिंग बनाए. इनका विधि-विधान से पूजन कर रुद्राभिषेक किया गया. पूर्णाहुति के अवसर पर मंदिर परिसर वेद मंत्रों और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा. भक्त मंडल के पं. सुमित अवस्थी ने बताया कि महीनेभर महिलाओं ने नियमित रूप से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव की आराधना की. पूर्णिमा पर सुबह आचार्य पं. शैलेन्द्र तिवारी के आचार्यत्व में विद्वान पंडितों ने वेद मंत्रों के बीच पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक और पूजन कराया। इसके बाद भगवान महादेव की महाआरती की गई.

पंचकुईया भूतेश्वर महादेव मंदिर पर एक लाख बिल्व पत्रों से अराधना

इन्दौर. पंचकुइया स्थित श्री भूतेश्वर महादेव मन्दिर पर सावन के पहले दिन से चल रहे सर्व मनोकामना सिद्धिप्रद अहर्निश लक्ष्य बिल्वार्चन चिंतामणि महाप्रयोग की पूर्णाहुति शनिवार को अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12 बजे होगी. मंदिर पर चल रहे अपने किस्म के इस अनूठे आयोजन में अब तक पूरे 30 लाख बिल्व पत्र समर्पित किए जा चुके हैं.

महाभारत में वर्णित शिव आराधना के मन्त्रों, ओम नमः शिवाय, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर एवं अन्य सभी ज्योतिर्लिंगों के नाम से यहाँ आठ शिवलिंग पर रोजाना 2-2 घंटे की बारह परियों में एक लाख बिल्व पत्र समर्पित किए जा रहे थे. देश में पहली बार इंदौर में भूतेश्वर महादेव पर इस तरह का अनुष्ठान आयोजित किया गया. श्रावणी पूर्णिमा के दिन तो भगवान शिव को बिल्व पत्र समर्पित करने के लिए 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने यहाँ पहुंचकर बिल्व पत्र से पूजा-अर्चना का पुण्य लाभ उठाया. मंदिर के प्रमुख पं. हरीशानंद तिवारी एवं पं. यतीन्द्र तिवारी ने बताया कि यहाँ अब तक 30 लाख बिल्व पत्र समर्पित किए जा चुके हैं. अष्ट प्रहर चल रही इस अनूठी पूजा के आयोजन में देशभर से आए विद्वानों, आचार्यों और ब्राह्मणों के सानिध्य में प्रतिदिन शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच 1 लाख बिल्व पत्र से रुद्राभिषेक, रुद्रपाठ एवं शिव आराधना से समूचा पंचकुईया क्षेत्र गुंजायमान बना रहा. प्राचीन भूतेश्वर महादेव के मूल विग्रह के साथ 7 अन्य नर्मदेश्वर शिवलिंग भी यहाँ स्थापित किए गए थे जहाँ दो-दो घंटे की बारह पारियों में भगवान भूतेश्वर को प्रतिदिन 1 लाख बिल्व पत्र समर्पित कर साधकों के परिवार, समाज और राष्ट्र में सुख शांति एवं सदभाव के साथ ही सुखद वर्षा की प्रार्थना भी की जा रही है. आज 30 लाख का लक्ष्य पूरा होने के बाद शनिवार को अभिजीत मुहूर्त में इस अनुष्ठान की पूर्णाहुति होगी।

पूर्णिमा पर उमड़ा जनसैलाब, आज पूर्णाहूति

एक नजर में | राष्ट्रसंत सुधासागर की निश्रा में बांधे गए दस हजार रक्षासूत्र, 2 लाख श्रीफल समर्पित

साधकों ने सामूहिक महाअर्घ्य देकर लिया धर्म व गुरु की रक्षा का संकल्प

इंदौर. दलाल बाग में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में शुक्रवार को रक्षाबंधन के पावन महापर्व पर राष्ट्रसंत सुधासागर के पावन सानिध्य में देशभर से आए करीब 10 हजार समाज बंधुओं ने धर्म, साधु-संतों और श्रमण संस्कृति के साथ देव, शास्त्र और गुरु की रक्षा का संकल्प भी लिया और जैन समाज के 700 मुनियों पर आए भयंकर उपसर्ग के दिवस पर एकदूसरे को रक्षासूत्र बांधकर दो लाख से अधिक श्रीफल से सामूहिक महाअर्ध्य समर्पित कर श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस धूमधाम से मनाया.

सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में आयोजित इस दिव्य आयोजन में देशभर से आए करीब 10 हजार समाज बंधु सभा मंडप में सुबह 6 बजे से ही जमा होने लगे थे. आयोजन समिति की ओर से चक्रवर्ती परिवार के मनीष-सपना गोधा, नवीन-शिवानी गोधा, अशोक-रानी डोसी, हर्ष-तृप्ति जैन, श्राविकाश्रेष्ठी आशारानी-महेंद्र पांड्या, रमेश जैन निर्वाणा, सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद-अंतिका गोधा, धर्मेन्द्र जैन आदि ने सभी साधकों की अगवानी की. इस मौके पर गौतम-गिरीश जैन, रमेश-संजय सामरिया, आकाश जैन, सौरभ-सलिल बडजात्या, अक्षय कासलीवाल तथा मुख्य संयोजक भूपेंद्र जैन एवं विपुल बांझल ने सभी व्यवस्थाएं संभाली और साधकों को इस अनुष्ठान की प्रक्रिया समझाई. राष्ट्रसंत सुधासागर के सानिध्य में मंगलाचरण के बाद शास्त्रोक्त विधान से रक्षाबंधन पूजन एवं मुनिराज आराधना के बाद सामूहिक रक्षाबंधन का अनूठा आयोजन प्रारम्भ हुआ. तदपश्चात वात्सल्य सूत्र का दिव्य आयोजन शुरू हुआ जिसमें 10 हजार से अधिक समाज बंधुओं ने एकदूसरे को वत्सलत सूत्र बांधे. राष्ट्रसंत सुधासागर म.सा. ने अपने आशीर्वचन में रक्षाबंधन की पृष्ठभूमि में जैन धर्म के इतिहास एवं आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाया।

जेन जी की नियत पर शक नहीं कर सकते

इंदौर. जेन जी से संवाद जरूरी है. डॉ. राहत इंदौरी मेरे रूहानी उस्ताद हैं. अब मैं कोशिश कोशिश करूंगा की एक नज़्म ऐसी लिखूं जिसमें इंसान खुदा से अपनी बात कहे. यह सब कहा मशहूर शायर अबरार अहमद काशिफ़ ने स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश के प्रोग्राम रूबरू में. शाजापुर के नातिया मुशायरा में शिरकत करने आए अबरार अहमद काशिफ़ ने एक घंटे तक पत्रकारों के हर सवाल का जवाब बेबाकी से दिया. अबरार काशिफ़ ने कहा कि अब जेन ज़ी और जेन अल्फा जागृत हो चुके हैं और आपको उनकी बात समझना होगी. हमें कई मर्तबा लगता है इनकी बातें गलत है लेकिन जब सुनते हैं तो लगता है यह सही है. उनकी नियत पर शक नहीं किया जा सकता. अबरार काशिफ़ ने कहा कि हर दौर में पीढ़ी बदलाव के साथ चीज बदलती है। हम अभी बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। वर्तमान पीढ़ी कम समय में ज्यादा कंटेंट चाहती है। कविता और शायरी के संदर्भ में भी यही बात लागू है. प्रारंभ में शायर काशिफ़ का स्वागत दीपक असीम, प्रवीण खारीवाल, आकाश चौकसे, समीर खान, महबूब कुरैशी, मेहदी मंसूर खान ने किया.

एक नजर में

बेटी नहीं तो कल नहीं : कुमुदलता महाराज

इंदौर. रक्षाबंधन के पावन पर्व पर संकल्पमय चातुर्मास-2026 के अंतर्गत नरसिंह वाटिका में अनुष्ठान आराधिका साध्वी डॉ. कुमुदलता महाराज के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में धर्म, परिवार, बेटी और जैन समाज के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए. साध्वी राजकीर्तीजी म.सा. ने रक्षाबंधन पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रवचन दिया, वहीं साध्वी डॉ. श्री महाप्रज्ञाजी ने रक्षाबंधन पर भावपूर्ण गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया. साध्वी डॉ. कुमुदलताजी ने बेटी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेटी नहीं है तो कल नहीं. बेटी केवल परिवार का हिस्सा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी और समाज के भविष्य की आधारशिला है. जिस घर में बेटी होती है, वहां संस्कार, स्नेह और परिवार को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी होती है. रक्षाबंधन के अवसर पर साध्वी राजकीर्तीजी ने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, जिम्मेदारी और एक-दूसरे की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है. साध्वी डॉ. महाप्रज्ञाजी ने रक्षाबंधन के अवसर पर सुंदर एवं भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया. इसी अवसर पर पार्श्व पद्मावती 16 शुक्रवार एकासना आराधना का आयोजन भी किया गया. एकासना की विधि साध्वी डॉ. पद्मकीर्तीजी ने अत्यंत सुंदर, सरल एवं रोचक तरीके से कराई. समारोह का संचालन जिनेश्वर जैन ने किया.

अग्रवाल परिषद के सदस्य गुप्त महादेव से करेंगे प्रार्थना

इंदौर. अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था अग्रवाल परिषद इंदौर द्वारा श्रावण मास के उपलक्ष्य में परिषद के 100 से अधिक सदस्यों के दल को पचमढ़ी यात्रा के लिए बिदाई दी गई. परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, यात्रा प्रमुख संयोजक अजय मंगल एवं सचिव आशीष गर्ग ने बताया कि महाराजा अग्रसेन की नवलखा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन के पश्चात सदस्यों को बिदाई दी गई. इस यात्रा में गए सदस्य पचमढ़ी में धूपगढ़, गुप्त महादेव, पांडव गुफा एवं सूर्यास्त पॉइंट सहित विभिन्न स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा समापन पर गुप्त महादेव के समक्ष राष्ट्र एवं समाज में सुख, शांति एवं सद्भावना के साथ ही मालवांचल में सुखद वर्षा के लिए प्रार्थना करेंगे. यात्रा की व्यवस्थाएं सत्यनारायण अग्रवाल, राजेंद्र समाधान, तरुण गर्ग, आशीष सोनम अग्रवाल, अनिल अग्रवाल टिंकू, संजय संगीता अग्रवाल, अमित-रितु गोयल एवं लोकेन्द्र शशि गर्ग संभालेंगे.

देश की संपति हम सबकी धरोहर, इसे सहेजना सामूहिक जिम्मेदारी

इंदौर. भविष्य में यदि हमारे हाथ में भी कोई अधिकार हो, संपति को संभालने की जिम्मेदारी आए तो उसे कैसे निभाएं, यह कला हर एक भारतीय को आना चाहिए। देश की हर संपति हम सबकी धरोहर है। इसे सहेजना और संभालना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी होना चाहिए। तुलसीदासजी का रामचरितमानस हम भारतीयों को उनकी बहुत बड़ी देन है। जिस प्रकार से उन्होंने इसका गठन किया है, एक-एक सोपान, एक-एक चौपाई हमें सिखाती है जीवन जिया कैसे जाए। किष्किंधा कांड में कुछ प्रसंग ऐसे हैं, जो हमें अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग करते हैं। इसलिए हर राम व हनुमान भक्त को इस कांड के सूत्रों से जरूर गुजरना चाहिए। यह बात जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजयशंकर मेहता ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर अभय प्रशाल परिसर स्थित लाभ मंडपम सभागृह में आयोजित हनुमान चालीसा महापाठ के दौरान कही. महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन सिंघानिया, संयोजक श्री रोहित सोमानी एवं समन्वयक ओमप्रकाश पसारी ने बताया पं. मेहताजी की प्रेरणा से जीवन प्रबंधन समूह एवं महोत्सव आयोजन समिति द्वारा देश के अलग-अलग शहरों में होने वाले हनुमान चालीसा महापाठ की कड़ी में इंदौर में यह 15वां तथा कुल 108वां आयोजन था. टीवी तथा सोशल मीडिया के माध्यम से देश-दुनिया के करोड़ों भक्तों ने एक साथ एक ही समय श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया. कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण पवन सिंघानिया- ने दिया। संचालन सीमा मुछाल ने किया। इस अवसर पर राजीव मुछाल, दिनेश परवाल, एस एन गदिया, जयंत गुप्ता, मुरली सोनी, रामविलास राठी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे.

शिक्षा और उद्यमिता ही समाज को आगे ले जाएगी

इंदौर. जैन समाज के सशक्तिकरण और सुधारवादी सोच के साथ गठित अखिल भारतीय संगठन फोर्स- फेडरेशन ऑफ रिफॉर्मिस्ट एंड कम्युनिटी एम्पावरमेंट का शुभारंभ समारोह एवं लॉन्चिंग प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट के ऑडिटोरियम में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ. समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. पृथ्वीराज कोठारी मुम्बई से विशेष वक्ता के रूप में प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी के कुलपति डेविस जैन उपस्थित रहे. अतिथियों का स्वागत संस्थापक प्रतीक सूर्या ने किया. मुख्य अतिथि पृथ्वीराज कोठारी ने कहा कि आज समाज को फोर्स जैसी संस्थाओं की आवश्यकता है जो समाज को एक नई दिशा दे सके. विशेष वक्ता डेविस जैन ने कहा कि शिक्षा और उद्यमिता ही समाज को आगे ले जाएगी और फोर्स इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. संस्था की गतिविधि और कार्यप्रणाली पर संस्थापक जय सिंह जैन ने कहा कि फोर्स एक ऐसे समरस, जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण करना चाहता है जहां व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के संसाधन उपलब्ध हो तथा सेवा व सहयोग के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक सक्रिय भागीदारी निभाए. संस्थापक और फोर्स की कल्पना कर मूर्त रूप देने वाले प्रकाश भटेवरा ने बताया कि फोर्स का उद्देश्य जैन समुदाय को एक सूत्र में पिरोना और युवाओं और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के साथ व्यापार, उद्योग, प्रोफेशनल्स नेटवर्क सुदृढ़ करना है. जिनेश्वर जैन ने विस्तार से प्रकाश डाला.

सेवा करने वाले पालकों का सम्मान आज

इंदौर. राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के वरिष्ठ न्यासी युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज द्वारा पंचकुइया रोड पर संचालित युगपुरुष धाम पर 29 अगस्त को अपराह्न 11.30 बजे से दिव्यांग बच्चों के ऐसे अभिभावकों का सम्मान किया जाएगा जिन्होंने अपने दिव्यांग बच्चों के साथ ही माता-पिता की सेवा भी पूरे समर्पण भाव से की है ताकि कोई भी माता-पिता वृद्धाश्रम तक नहीं जा सके. युगपुरुष धाम समिति के प्रमुख तुलसी शादीजा, अध्यक्ष श्रीमती जाह्नवी-पवन ठाकुर, प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा एवं अंकुर रिहैब सेंटर के डॉ. अंकुर अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर अतिथि के रूप में श्रीमती ज्योति-प्रतीक श्रीवास्तव, रूपकुमारी-मनोहरलाल अजमेरा, श्रीमती ललिता-अशोक मालू एवं श्रीमती सुषमा-प्रकाशचंद्र त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे. इस कार्यक्रम की प्रेरणा सोनम शादीजा के सेवा कार्यों को देखकर मिली है जिन्होंने पिछले 27 वर्षों से अपने दिव्यांग बच्चों के साथ ही अपने सास-ससुर की सेवा का व्रत भी पूरे समर्पण भाव से ले रखा है.